


भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 613]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 6, 2015/आश्विन 14, 1937

No. 613]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 6, 2015/ASVINA 14, 1937

गृह मंत्रालय

(केन्द्र-राज्य प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 2015

सा.का.नि. 758(अ).—कैदी संप्रत्यावर्तन अधिनियम, 2003 (2003 का 49) की धारा 3 की उप-धारा (1) एवं (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, 11 मार्च, 2015 को भारत गणराज्य सरकार तथा चीन लोक गणराज्य के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार के बीच किए गए करार का अनुसमर्थन करने के बाद, एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के उपबंध 1 जुलाई, 2015 से चीन लोक गणराज्य के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के लिए लागू होंगे तथा कैदियों के अंतरण के लिए भारत और चीन लोक गणराज्य के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार के बीच किए गए करार के पूर्ण पाठ को निम्नवत अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

दण्डित व्यक्तियों के अंतरण के संबंध में भारत गणराज्य की सरकार तथा चीन लोक गणराज्य के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार के बीच करार

चीन लोक गणराज्य के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार ("हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र") जिसे चीन लोक गणराज्य की केन्द्रीय जन सरकार द्वारा इस करार को करने हेतु विधिवत् रूप से प्राधिकृत किया गया है तथा भारत गणराज्य की सरकार (जिन्हें इसमें इसके बाद "संविदाकारी पक्ष" कहा गया है);

दण्डित व्यक्तियों के सामाजिक पुनर्वास को सुगम बनाने की अभिलाषा से; और

यह मानते हुए कि यह उद्देश्य दोषसिद्ध व्यक्तियों को, जिन्हें उनके द्वारा दण्डनीय अपराध करने के परिणामस्वरूप दोषसिद्ध और दण्डित किया गया है, अपने समाज में अपनी सजा काटने का अवसर प्रदान करके पूरा किया जाना चाहिए;

निम्न प्रकार सहमत हो गई हैं:

अनुच्छेद-1

परिभाषाएं

इस करार के प्रयोजन के लिए:

- (क) "निर्णय" से तात्पर्य किसी न्यायालय अथवा अधिकरण के उस निर्णय अथवा आदेश से है जिसके तहत दण्ड दिया गया हो;

- (ख) “प्राप्तकर्ता पक्ष” से तात्पर्य उस पक्ष से है जिसे दण्डित व्यक्ति को सज़ा काटने के प्रयोजन से अंतरित किया जाएगा अथवा अंतरित किया गया हो;
- (ग) “दण्ड” से तात्पर्य किसी निश्चित समयावधि अथवा आजीवन कारावास के दण्ड अथवा आजादी से वंचित रखे जाने की उस कार्रवाई से है जिसका आदेश अपने दंड अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए किसी न्यायालय अथवा अधिकरण द्वारा दिया गया हो;
- (घ) “दण्डित व्यक्ति” से तात्पर्य संविदाकारी पक्षों में फिलहाल लागू कानून के अंतर्गत स्थापित किसी न्यायालय या अधिकरण द्वारा पारित आदेश के तहत कारावास की सज़ा काट रहे व्यक्ति से है;
- (ङ) “अंतरणकर्ता पक्ष” से तात्पर्य उस संविदाकारी पक्ष से है जिसमें उस व्यक्ति को दंड दिया गया हो जिसे अंतरित किया जाएगा या जिसे अंतरित कर दिया गया हो।

अनुच्छेद-2

सामान्य सिद्धांत

- (1) एक संविदाकार पक्षकार के अधिकार क्षेत्र में दंडित व्यक्ति को उस पर अधिरोपित सज़ा को काटे जाने के लिए इस करार के उपबंधों के अनुसार अन्य संविदाकार पक्ष के अधिकार क्षेत्र में अंतरित किया जा सकता है।
- (2) अंतरण हेतु अनुरोध अंतरणकर्ता पक्षकार या प्राप्तकर्ता पक्षकार द्वारा अन्य पक्षकार से किया जा सकता है। कोई दंडित व्यक्ति अंतरणकर्ता पक्षकार या प्राप्तकर्ता पक्षकार को अंतरण हेतु आवेदन करके इस करार के अंतर्गत अंतरण किए जाने हेतु अपनी इच्छा अंतरणकर्ता पक्षकार या प्राप्तकर्ता पक्षकार को व्यक्त कर सकता है। अंतरण हेतु आवेदन दंडित व्यक्ति या उसकी ओर से कार्य करने के लिए हकदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उस संविदाकार पक्षकार की विधि के अनुसार किया जा सकता है जिसको आवेदन किया जाता है। आवेदन संविदाकार पक्षकार की विधि के अनुसार और संविदाकार पक्षकार के सरकारी प्राधिकरण द्वारा निर्धारित तरीके से किया जाएगा।

अनुच्छेद-3

अंतरण की शर्तें

- (1) इस करार के अंतर्गत किसी दंडित व्यक्ति को केवल निम्नलिखित शर्तों पर अंतरित किया जा सकता है:
 - (क) जब हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र प्राप्तकर्ता पक्ष हो तो दंडित व्यक्ति, चीन लोक गणराज्य के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के मूलभूत कानून के अनुच्छेद 24 में यथा परिभाषित हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र का स्थायी निवासी हो;
 - (ख) जब भारत गणराज्य प्राप्तकर्ता पक्ष हो तो दंडित व्यक्ति भारत गणराज्य का नागरिक हो;
 - (ग) दंडित व्यक्ति को मृत्युदंड नहीं दिया गया हो अथवा यदि दिया गया हो तो उसे कम कर दिया गया हो;
 - (घ) निर्णय अंतिम हो;
 - (ङ) अंतरणकर्ता पक्ष में दंडित व्यक्ति के विरुद्ध कोई जांच, मुकदमा अथवा दांडिक कार्यवाही लंबित न हो;
 - (च) वे कृत्य अथवा त्रुटियां, जिनके लिए उस व्यक्ति को अंतरणकर्ता पक्ष में दंडित किया गया था, प्राप्तकर्ता पक्ष के कानून के अंतर्गत एक अपराध है अथवा यदि ये प्राप्तकर्ता पक्ष के अधिकार क्षेत्र में की गई होती, तो उसके कानून के अनुसार एक अपराध होती;
 - (छ) अंतरण के अनुरोध की प्राप्ति के समय दंडित व्यक्ति को अभी भी कम से कम एक वर्ष की सज़ा काटनी हो अथवा वह आजीवन कारावास की सज़ा काट रहा हो;
 - (ज) दंडित व्यक्ति को सैन्य कानून के अंतर्गत किसी अपराध के लिए दोषसिद्ध नहीं किया गया हो जहां भारत गणतंत्र अंतरणकर्ता पक्षकार हो;
 - (झ) हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के मामले में दंडित व्यक्ति का अंतरण चीन लोक गणराज्य की संप्रभुता, सुरक्षा अथवा अन्य किसी हित के लिए हानिकर न हो तथा भारत गणराज्य के मामले में दंडित व्यक्ति का अंतरण भारत गणराज्य की संप्रभुता, सुरक्षा अथवा अन्य किसी हित के लिए हानिकर न हो;

- (ज) अंतरण की सहमति दंडित व्यक्ति द्वारा दी गई हो, अथवा, जहां उसकी उम्र अथवा शारीरिक अथवा मानसिक स्थिति को देखते हुए दोनों में से कोई एक संविदाकार पक्ष इसे आवश्यक समझता हो, तो यह सहमति उस संविदाकार पक्ष के कानून के अनुसार उसकी ओर से कार्रवाई करने के लिए पात्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दी जा सकती है; और
- (ट) अंतरणकर्ता और प्राप्तकर्ता पक्ष अंतरण के लिए सहमत हों।
- (2) अपवादी मामलों में यदि दंडित व्यक्ति द्वारा भोगे जा रहे दंड की शेष अवधि एक वर्ष से कम हो, तो भी अंतरणकर्ता और प्राप्तकर्ता पक्ष अंतरण के संबंध में संलिप्त हो सकते हैं।

अनुच्छेद-4

सूचना प्रस्तुत करने का दायित्व

- (1) यदि दंडित व्यक्ति ने इस करार के अंतर्गत अंतरित किए जाने की इच्छा व्यक्त की है तो अंतरणकर्ता पक्ष प्राप्तकर्ता पक्ष को निम्नलिखित सूचना एवं दस्तावेज भेजेगा बशर्ते कि प्राप्तकर्ता पक्ष अथवा अंतरणकर्ता पक्ष द्वारा पहले से ही यह निर्णय किया जा चुका है कि वह अंतरण के लिए सहमत नहीं है:
- (क) दंडित व्यक्ति का नाम, राष्ट्रीयता और आवास की स्थिति, जन्मतिथि एवं जन्म का स्थान ;
- (ख) प्राप्तकर्ता पक्ष में उसका पता, यदि कोई हो;
- (ग) उन तथ्यों का विवरण जिन पर दंड आधारित था;
- (घ) दंड की प्रकृति, समयावधि एवं प्रारंभ होने की तारीख;
- (ङ) निर्णय की प्रमाणित प्रति तथा कानून के उन संगत उपबंधों की एक प्रति जिनके अंतर्गत दंडित व्यक्ति के खिलाफ दंड पारित किया गया है;
- (च) दंडित व्यक्ति की चिकित्सा, सामाजिक अथवा कोई अन्य रिपोर्ट, जो उसके आवेदन पत्र का निपटान करने या उसके कारावास की प्रकृति का निर्णय करने के लिए संगत हो;
- (छ) कोई अन्य जानकारी जिसके लिए प्राप्तकर्ता पक्ष यह विनिर्दिष्ट करे कि यह उसके अंतरण की संभावना पर विचार करने के लिए जरूरी है और जिससे वह अपने कानून के अंतर्गत दंडित व्यक्ति को उसके अंतरण के सम्पूर्ण परिणामों की जानकारी देने में सक्षम हो सके;
- (ज) दंडित व्यक्ति या उसकी ओर से कार्य करने के लिए हकदार किसी व्यक्ति द्वारा उस संविदाकार पक्षकार जिसको आवेदन किया जाता है, की विधि के अनुसार अंतरण हेतु आवेदन; और
- (झ) दंड समाप्त होने की तारीख, यदि लागू हो और किसी मुकदमे के पहले कैद, क्षमा या दंड प्रवर्तन के लिए संगत किसी अन्य तथ्य को शामिल करते हुए एक विवरण पत्र जिसमें यह उल्लेख किया गया हो कि कितना दंड पूरा हो चुका है।
- (2) इस करार के अधीन किसी अनुरोध पर कोई भी निर्णय लिए जाने के प्रयोजन से प्राप्तकर्ता पक्ष अंतरणकर्ता पक्ष को निम्नलिखित जानकारी एवं दस्तावेज भेजेगा बशर्ते कि प्राप्तकर्ता पक्ष या अंतरणकर्ता पक्ष ने पहले ही यह निश्चय न कर लिया हो कि वह अंतरण से सहमत नहीं होगा;
- (क) एक विवरण या दस्तावेज जिसमें यह उल्लेख हो कि दंडित व्यक्ति जहां हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र प्राप्तकर्ता पक्ष है, वह हांगकांग, विशेष प्रशासनिक क्षेत्र का स्थायी निवासी है और जहां भारत गणराज्य प्राप्तकर्ता पक्ष है, वह भारत गणराज्य का नागरिक है;
- (ख) प्राप्तकर्ता पक्ष को उस कानून के संगत प्रावधानों अथवा विवरण की प्रति जिसमें यह व्यवस्था हो कि अंतरणकर्ता पक्ष में दंडित व्यक्ति को जिन कृत्यों अथवा चूकों के लिए दण्ड दिया गया हो वे प्राप्तकर्ता पक्ष में दंडनीय अपराध के रूप में दंडनीय है अथवा यदि ये कृत्य अथवा चूकें उसके अधिकार क्षेत्र में की गई हों तो यह एक दंडनीय अपराध होगा;

- (ग) दंडित व्यक्ति के अंतरण के बाद प्राप्तकर्ता पक्ष में दण्ड की अवधि और प्रवर्तन से संबंधित किसी कानून अथवा विनियम के प्रभाव का विवरण और साथ में, यदि लागू हो तो, उसके अंतरण पर इस करार के अनुच्छेद 9 के पैराग्राफ 2 के प्रभाव का विवरण;
- (घ) दंडित व्यक्ति का अंतरण स्वीकार करने के लिए प्राप्तकर्ता पक्ष की इच्छा और दंडित व्यक्ति के शेष बचे दंड का प्रबंध करने की वचनबद्धता; और
- (ङ) कोई अन्य सूचना या दस्तावेज जिसे अंतरणकर्ता पक्ष जरूरी समझे।

अनुच्छेद-5

केन्द्रीय प्राधिकारी तथा सूचना के आदान-प्रदान के लिए चैनल

- (1) इस करार के प्रयोजनार्थ, हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के संबंध में केन्द्रीय प्राधिकारी न्याय सचिव अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी होगा और भारत गणराज्य के संबंध में केन्द्रीय प्राधिकारी गृह मंत्रालय होगा। कोई भी संविदाकारी पक्ष केन्द्रीय प्राधिकारी के परिवर्तन के बारे में दूसरे संविदाकारी पक्ष को अधिसूचित करने के पश्चात् केन्द्रीय प्राधिकारी बदल सकता है।
- (2) अंतरण संबंधी अनुरोध लिखित रूप में किए जाएंगे तथा इसे अनुरोधकर्ता पक्ष के केन्द्रीय प्राधिकारी द्वारा प्रार्थित पक्ष के केन्द्रीय प्राधिकारी को अग्रेषित किया जाएगा।
- (3) प्रार्थित पक्ष प्रार्थित अंतरण से सहमत होने अथवा न होने संबंधी अपने निर्णय के बारे में तत्काल अनुरोधकर्ता पक्ष को सूचित करेगा।
- (4) केन्द्रीय प्राधिकारी सीधे एक-दूसरे से अथवा हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र में भारत गणराज्य के कौंसुलेट जनरल के माध्यम से सूचना का आदान-प्रदान करेंगे।

अनुच्छेद-6

सहमति तथा उसका सत्यापन

- (1) अंतरणकर्ता पक्ष यह सुनिश्चित करेगा कि इस करार के अनुच्छेद 3 के पैरा 1 (ज) के अनुसार अंतरण की सहमति देने वाला व्यक्ति ऐसी सहमति स्वेच्छापूर्वक और उसके विधिक परिणामों की पूरी जानकारी के साथ दे रहा है। ऐसी सहमति देने की प्रक्रिया अंतरणकर्ता पक्ष के कानून से अधिशासित होगी।
- (2) अंतरणकर्ता पक्ष प्राप्तकर्ता पक्ष को यह सत्यापित करने का अवसर देगा कि सहमति इस अनुच्छेद के पैरा 1 में निर्धारित शर्तों के अनुसार दी गई है।

अनुच्छेद-7

दण्डित व्यक्ति का सौंपा जाना

अंतरणकर्ता पक्ष के सक्षम प्राधिकारियों द्वारा प्राप्तकर्ता पक्ष को दण्डित व्यक्ति, संविदाकारी पक्षों के बीच हुई सहमति द्वारा तय तारीख और स्थान पर सौंपा जाएगा।

अनुच्छेद-8

प्राप्तकर्ता पक्ष पर अंतरण का प्रभाव

- (1) प्राप्तकर्ता पक्ष के सक्षम प्राधिकारी इस करार के अनुच्छेद-9 में दी गई शर्तों के तहत किसी न्याय अथवा प्रशासनिक आदेश के जरिए, जैसा भी उसके राष्ट्रीय कानून के तहत अपेक्षित हो, दंड का प्रवर्तन जारी रखेगा।
- (2) इस करार के अनुच्छेद-10 और 11 के उपबंधों के अधीन, दंड का प्रवर्तन प्राप्तकर्ता पक्ष के कानून द्वारा शासित होगा और केवल वही पक्ष इस संबंध में सभी उचित निर्णय लेने के लिए सक्षम होगा।

अनुच्छेद-9 **दंड का सतत् प्रवर्तन**

- (1) इस अनुच्छेद के पैरा 2 तथा इस करार के अनुच्छेद 13 के अधीन, प्राप्तकर्ता पक्ष अंतरणकर्ता पक्ष द्वारा यथा निर्धारित सजा के कानूनी स्वरूप एवं अवधि से बाध्यकारी होगा।
- (2) यदि दिया गया दंड अपने स्वरूप अथवा अवधि अथवा दोनों ही दृष्टियों से, प्राप्तकर्ता पक्ष के कानून से असंगत हो, तो वह पक्ष अंतरणकर्ता पक्ष की पूर्वानुमति से न्यायालय अथवा प्रशासनिक आदेश द्वारा, दंड को अपने स्वयं के कानून द्वारा समान अपराध के लिए निर्धारित सजा में परिवर्तित कर सकता है। जहां तक इसके स्वरूप तथा अवधि का संबंध है, परिवर्तित सजा यथासंभव अंतरणकर्ता पक्ष के फैसले में दी गई सजा के संगत होगी। तथापि, इससे अंतरणकर्ता पक्ष द्वारा दी गई सजा का स्वरूप अथवा अवधि पहले से गंभीर नहीं होगी।

अनुच्छेद-10

सज़ा की माफी, राजक्षमा अथवा लघुकरण

संविदाकार पक्षों में से कोई पक्ष अपने संविधान अथवा अन्य कानूनों के अनुसार माफी और राजक्षमा दे सकता है अथवा दंड को कम कर सकता है।

अनुच्छेद-11 **निर्णय की पुनरीक्षा**

केवल अंतरणकर्ता पक्ष ही निर्णय की पुनरीक्षा संबंधी किसी आवेदन पर निर्णय लेगा।

अनुच्छेद-12

अंतरणकर्ता पक्ष पर दंड पूरा होने का प्रभाव

जब प्राप्तकर्ता पक्ष इस करार के अनुच्छेद 14 के पैराग्राफ 1 (क) के तहत अंतरणकर्ता पक्ष को यह अधिसूचित करता है कि दंड पूरा हो गया है तो ऐसी अधिसूचना का प्रभाव अंतरणकर्ता पक्ष में दंड का पूरा होना माना जाएगा।

अनुच्छेद-13

दंड के प्रवर्तन में संशोधन अथवा इसकी समाप्ति

जैसे ही अंतरणकर्ता पक्ष द्वारा इस करार के उपबंधों के अनुसार लिए गए किसी भी ऐसे फैसले अथवा उपाय की सूचना दी जाती है, जिसके परिणामस्वरूप दंड को कम किया गया हो अथवा इसका प्रवर्तन समाप्त किया गया हो, तो प्राप्तकर्ता पक्ष दंड के प्रवर्तन में संशोधन करेगा अथवा इस को समाप्त कर देगा।

अनुच्छेद-14

दंड के प्रवर्तन संबंधी सूचना

- (1) प्राप्तकर्ता पक्ष अंतरणकर्ता पक्ष को अधिसूचित करेगा:
 - (क) जब दंड का प्रवर्तन पूरा कर लिया गया हो; अथवा
 - (ख) यदि दंड का प्रवर्तन पूरा होने से पहले दंडित व्यक्ति हिरासत से भाग जाता है। ऐसे मामलों में प्राप्तकर्ता पक्ष दण्डित व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए हर तरह से प्रयास करेगा ताकि वह अपनी शेष बची सजा काट सके और गैरकानूनी रूप से हिरासत से भाग जाने के लिए उस पर प्राप्तकर्ता पक्ष के कानून के अंतर्गत अपराध के लिए अभियोग चलाया जा सके।
- (2) यदि अंतरणकर्ता पक्ष द्वारा अपेक्षित हो तो प्राप्तकर्ता पक्ष दंड के प्रवर्तन के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

अनुच्छेद-15

अभिवहन

- (1) यदि कोई भी संविदाकार पक्ष दंडित व्यक्तियों के अंतरण के लिए किसी तीसरे पक्ष अथवा देश के साथ कोई व्यवस्था करता है तो दूसरा संविदाकार पक्ष ऐसी व्यवस्था के अनुसरण में अपने भूभाग से अंतरित किए जाने वाले दंडित व्यक्तियों के अभिवहन को सुकर बनाने में सहयोग करेगा।
- (2) ऐसे अंतरण का इच्छुक संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष को ऐसे अभिवहन के बारे में अग्रिम नोटिस देगा।

- (3) एक संविदाकार पक्ष अभिवहन की अनुमति देने से मना कर सकता है यदि हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के मामले में, दण्डित व्यक्ति हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र का स्थायी निवासी है अथवा, भारत गणराज्य के मामले में, दण्डित व्यक्ति भारत गणराज्य का नागरिक है।
- (4) यदि अभिवहन हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के मामले में, चीन लोक गणराज्य की प्रभुसत्ता, सुरक्षा अथवा किसी अन्य हित के प्रतिकूल है तथा भारत गणराज्य के मामले में, भारत गणराज्य की प्रभुसत्ता, सुरक्षा अथवा किसी अन्य हित के प्रतिकूल है, तो कोई संविदाकार पक्ष अभिवहन की अनुमति देने से मना कर सकता है।

अनुच्छेद-16

भाषा

अनुरोध एवं समर्थक दस्तावेज अंग्रेजी में होंगे अथवा उनके साथ अंग्रेजी अनुवाद संलग्न होगा।

अनुच्छेद-17

लागत

अंतरणकर्ता पक्ष के अनन्य अधिकार क्षेत्र में होने वाले व्ययों को छोड़कर इस करार को लागू करने में आने वाले सभी व्यय प्राप्तकर्ता पक्ष द्वारा वहन किए जाएंगे। तथापि, प्राप्तकर्ता पक्ष अंतरण में होने वाले व्यय की संपूर्ण अथवा आंशिक वसूली दंडित व्यक्ति अथवा किसी अन्य साधन से कर सकता है।

अनुच्छेद-18

लागू होने का दायरा

यह करार इसके प्रभावी होने की तारीख से पहले या बाद में लगाए गए दंड के प्रवर्तन पर लागू होगा।

अनुच्छेद-19

विवादों का निपटान

- (1) केन्द्रीय प्राधिकारी इस करार की व्याख्या, लागू करने अथवा कार्यान्वयन से उत्पन्न किसी विवाद को परस्पर हल करने का प्रयास करेंगे।
- (2) यदि केन्द्रीय प्राधिकारी विवाद को परस्पर हल करने में सक्षम नहीं हैं, तो इसे राजनयिक माध्यमों के जरिए हल किया जाएगा।

अनुच्छेद-20

संशोधन

संविदाकारी पक्षों द्वारा सहमत इस करार के कोई भी संशोधन उसी तरीके से प्रभावी होंगे जिस तरीके से इस करार के लागू होने के समय प्रभावी थे।

अनुच्छेद-21

अंतिम प्रावधान

- (1) प्रत्येक संविदाकार पक्ष करार के लागू होने के लिए आवश्यक अपनी आन्तरिक प्रक्रियाएं पूर्ण होने पर लिखित में यथासंभव शीघ्र दूसरे संविदाकार पक्ष को सूचित करेगा। यह करार दूसरी अधिसूचना की तारीख के बाद दूसरे माह के पहले दिन से प्रभावी होगा।
- (2) यह करार अनिश्चित काल तक लागू रहेगा। हालांकि इसे किसी भी संविदाकार पक्ष द्वारा दूसरे संविदाकार पक्ष को इसकी समाप्ति के लिए अपने आशय की लिखित सूचना देकर समाप्त किया जा सकता है। ऐसी सूचना के बावजूद यह करार सूचना की तारीख से छह माह तक प्रभावी रहेगा।
- (3) किसी भी परिसमापन के बावजूद, यह करार उन दंडित व्यक्तियों के दंडों के प्रवर्तन पर लागू रहेगा जिसे इस परिसमापन के लागू होने की तारीख से पहले इस करार के अंतर्गत अंतरित किया गया हो।

इस करार के साक्ष्य के रूप में अपनी-अपनी सरकारों द्वारा इस संबंध में उचित प्रकार से प्राधिकृत किए जाने पर अधोहस्ताक्षरी ने इस करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसके सभी पाठ समान रूप से अधिप्रमाणित होने के नाते इसे हांगकांग में दिन 20 जनवरी को दो प्रतियों में चीनी, अंग्रेजी और हिन्दी भाषाओं में तैयार किया गया है। व्याख्या में मतभेद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

भारत गणराज्य की
सरकार की ओर से

चीन लोक गणराज्य के
हांगकांग विशेष प्रशासनिक
क्षेत्र की सरकार की ओर से

हो/-

प्रशांत अग्रवाल
भारत के प्रधान कौंसल

हो/-

छै तुंग-क्वोक
सुरक्षा सचिव

[फा. सं. वी-17011/1/2006-पी.आर.]

कुमार आलोक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(CS DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st October, 2015

G.S.R.758(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 3 of the Repatriation of Prisoners Act, 2003 (49 of 2003), the Central Government having ratified the Agreement on the 11th March, 2015, hereby directs that the provisions of the said Act shall apply to the Hong Kong Special Administrative Region of the People's Republic of China with effect from the 1st July, 2015, and notifies the full text of the treaty entered into between the Government of the Republic of India and Hong Kong Special Administrative Region of the People's Republic of China for the transfer of prisoners between that country and India as follows, namely :—

AGREEMENT BETWEEN THE GOVERNMENT OF THE REPUBLIC OF INDIA AND THE GOVERNMENT OF THE HONG KONG SPECIAL ADMINISTRATIVE REGION OF THE PEOPLE'S REPUBLIC OF CHINA ON TRANSFER OF SENTENCED PERSONS

The Government of the Hong Kong Special Administrative Region of the People's Republic of China ("Hong Kong Special Administrative Region") having been duly authorised to conclude this Agreement by the Central People's Government of the People's Republic of China, and the Government of the Republic of India (hereinafter referred to as "the Contracting Parties");

Desiring to facilitate the social rehabilitation of sentenced persons; and

Considering that this objective should be fulfilled by giving sentenced persons, who have been convicted and sentenced as a result of their commission of criminal offences, the opportunity to serve their sentences within their own society;

Have agreed as follows:

ARTICLE 1

DEFINITIONS

For the purposes of this Agreement:

- (a) “judgment” means a decision or order of a court or tribunal imposing a sentence;
- (b) “receiving Party” means the Contracting Party to which the sentenced person may be, or has been, transferred in order to serve his sentence;
- (c) “sentence” means any punishment or measure involving deprivation of liberty ordered by a court or tribunal for a determinate period of time or for life imprisonment, in the exercise of its criminal jurisdiction;
- (d) “sentenced person” means a person undergoing a sentence of imprisonment under a judgment passed by any court or tribunal established under the law for the time being in force in the Contracting Parties;
- (e) “transferring Party” means the Contracting Party in which the sentence was imposed on the sentenced person who may be, or has been, transferred.

ARTICLE 2

GENERAL PRINCIPLES

- (1) A person sentenced in the Jurisdiction of one Contracting Party may be transferred to the jurisdiction of the other Contracting Party in accordance with the provisions of this Agreement in order to serve the sentence imposed on him.
- (2) A request for transfer may be made by the transferring Party or the receiving Party to the other Party. A sentenced person may express to the transferring Party or the receiving Party his willingness to be transferred under this Agreement by making an application for transfer to that Party. The application for transfer may be made by sentenced person or by any other person who is entitled to act on his behalf in accordance with the law of the Contracting Party to which the application is made. The application shall be made in accordance with the law of the Contracting Party and in the manner prescribed by the Government authorities of that Contracting Party.

ARTICLE 3

CONDITIONS FOR TRANSFER

- (1) A sentenced person may be transferred under this Agreement only on the following conditions:
 - (a) where the Hong Kong Special Administrative Region is the receiving Party the sentenced person is a permanent resident of the Hong Kong Special Administrative Region as defined in Article 24 of the Basic Law of the Hong Kong Special Administrative Region of the People’s Republic of China
 - (b) where the Republic of India is the receiving Party the sentenced person is a national of the Republic of India;
 - (c) the death penalty has not been imposed on the sentenced person or, if imposed, has been commuted;
 - (d) the judgment is final;
 - (e) no inquiry, trial or any other criminal proceeding is pending against the sentenced person in the transferring Party;
 - (f) the acts or omissions for which that person was sentenced in the transferring Party constitute an offence under the law of the receiving Party or would constitute an offence according to the law of the receiving Party if it had been committed on its jurisdiction;
 - (g) at the time of receipt of the request for transfer, the sentenced person still has at least one year of the sentence to serve or is undergoing a sentence of life imprisonment;
 - (h) the sentenced person has not been convicted for an offence under the military law where the Republic of India is the transferring party;

- (i) the transfer of the sentenced person is not prejudicial to, in the case of the Hong Kong Special Administrative Region, the sovereignty, security or any other interest of the People's Republic of China, and, in the case of the Republic of India, the sovereignty, security or any other interest of the Republic of India;
 - (j) consent to the transfer has been given by the sentenced person, or, where in view of his age or physical or mental condition either Contracting Party considers it necessary, consent may be given by any other person entitled to act on his behalf in accordance with the law of that Contracting Party; and
 - (k) the transferring and receiving Parties agree to the transfer.
- (2) In exceptional cases, the transferring Party and receiving Party may agree to a transfer even if the remaining period to be served by the sentenced person is less than one year.

ARTICLE 4

OBLIGATION TO FURNISH INFORMATION

- (1) If the sentenced person has expressed an interest in being transferred under this Agreement, the transferring Party shall send the following information and documents to the receiving Party unless either the receiving Party or the transferring Party has already decided that it will not agree to the transfer:
- (a) the name, nationality and residence status, date and place of birth of the sentenced person;
 - (b) his address, if any, in the receiving Party;
 - (c) a statement of the facts upon which the sentence was based;
 - (d) the nature, duration and date of commencement of the sentence;
 - (e) a certified copy of the judgment and a copy of the relevant provisions or statement of the law under which the sentence has been passed against the sentenced person;
 - (f) a medical, social or any other report on the sentenced person, where it is relevant for the disposal of his application or for deciding the nature of his confinement;
 - (g) any other information which the receiving Party may specify as required to enable it to consider the possibility of transfer and to enable it to inform the sentenced person of the full consequences of transfer for him under its law;
 - (h) The application for Transfer by the sentenced person or by a person entitled to act on his behalf in accordance with the law of the Contracting Party to which the application is made; and
 - (i) the termination date of the sentence, if applicable, and a statement indicating how much of the sentence has already been served, including information on any pre-trial detention, remission, or any other factor relevant to the enforcement of the sentence.
- (2) For the purposes of enabling a decision to be made on a request under this Agreement, the receiving Party shall send the following information and documents to the transferring Party unless either the receiving Party or the transferring Party has already decided that it will not agree to the transfer:
- (a) a statement or document indicating that the sentenced person is a permanent resident of the Hong Kong Special Administrative Region where the Hong Kong Special Administrative Region is the receiving Party or a national of the Republic of India where the Republic of India is the receiving Party;
 - (b) a copy of the relevant provisions or statement of the law of the receiving Party under which the acts or omissions on account of which the sentence has been passed in the transferring Party constitute an offence under the law of the receiving Party or would constitute an offence if committed on its Jurisdiction;
 - (c) a statement of the effect of any law or regulation relating to the duration and enforcement of the sentence in the receiving Party after the sentenced person's transfer including, if

applicable, a statement of the effect of paragraph 2 of Article 9 of this Agreement on his transfer;

- (d) the willingness of the receiving Party to accept the transfer of the sentenced person and an undertaking to administer the remaining part of the sentence of the sentenced person; and
- (e) any other information or document which the transferring Party may consider necessary.

ARTICLE 5

CENTRAL AUTHORITIES

AND CHANNELS OF COMMUNICATION

- (1) For the purpose of this Agreement, the Central Authority for the Hong Kong Special Administrative Region shall be the Secretary for Justice or an officer authorised by him and, for the Republic of India, it shall be the Ministry of Home Affairs. Either Contracting Party may change its Central Authority after notifying the other Contracting Party of the change.
- (2) Request for transfer shall be made in writing and forwarded by the Central Authority of the requesting Party to the Central Authority of the requested Party.
- (3) The requested Party shall promptly inform the requesting Party of its decision whether or not to agree to the requested transfer.
- (4) The Central Authorities shall communicate with each other either directly or through the Consulate General of the Republic of India in the Hong Kong Special Administrative Region.

ARTICLE 6

CONSENT AND ITS VERIFICATION

- (1) The transferring Party shall ensure that the person required to give consent to the transfer in accordance with paragraph 1(j) of Article 3 of this Agreement, does so voluntarily and with full knowledge of the legal consequences thereof. The procedure for giving such consent shall be governed by the law of the transferring Party.
- (2) The transferring Party shall afford an opportunity to the receiving Party to verify that the consent is given in accordance with the conditions set out in paragraph 1 of this Article.

ARTICLE 7

HANDING OVER OF SENTENCED PERSON

The handing over of the sentenced person by the competent authorities of the transferring Party to those of the receiving Party shall occur on a date and at a place to be agreed upon between the Contracting Parties.

ARTICLE 8

EFFECT OF TRANSFER FOR THE RECEIVING PARTY

- (1) The competent authorities of the receiving Party shall continue the enforcement of the sentence through a court or administrative order, as may be required under its domestic law, under the conditions set out in Article 9 of this Agreement.
- (2) Subject to the provisions of Articles 10 and 11 of this Agreement, the enforcement of the sentence shall be governed by the law of the receiving Party and that Party alone shall be competent to take all appropriate decisions in this regard.

ARTICLE 9

CONTINUED ENFORCEMENT OF SENTENCE

- (1) Subject to paragraph 2 of this Article and Article 13 of this Agreement, the receiving Party shall be bound by the legal nature and duration of sentence as determined by the transferring Party.

- (2) If the sentence is by its nature or duration, or both, incompatible with the law of the receiving Party, that Party may, with the prior consent of the transferring Party, by court or administrative order, adapt the sentence to a sentence prescribed by its own law for a similar offence. As to its nature and duration, the adapted sentence shall, as far as possible, correspond with that imposed by the judgment of the transferring Party. It shall, however, not aggravate, by its nature or duration, the sentence imposed by the transferring Party.

ARTICLE 10

PARDON, AMNESTY OR COMMUTATION OF SENTENCE

Either of the Contracting Parties may grant pardon, amnesty or commutation of the sentence in accordance with its Constitution or other laws.

ARTICLE 11

REVIEW OF JUDGMENT

The transferring Party alone shall decide on any application for the review of the judgment.

ARTICLE 12

EFFECT OF COMPLETION OF SENTENCE

FOR THE TRANSFERRING PARTY

When the receiving Party notifies the transferring Party under paragraph 1(a) of Article 14 of this Agreement that the sentence has been completed, such notification shall have the effect of discharging the sentence in the transferring Party.

ARTICLE 13

MODIFICATION OR TERMINATION

OF ENFORCEMENT OF SENTENCE

The receiving Party shall modify or terminate enforcement of the sentence as soon as it is informed by the transferring Party of any decision or measure taken in accordance with the provisions of this Agreement as a result of which the sentence is reduced or ceases to be enforceable.

ARTICLE 14

INFORMATION ON ENFORCEMENT OF SENTENCE

- (1) The receiving Party shall notify the transferring Party:
- (a) when the enforcement of the sentence has been completed; or
 - (b) if the sentenced person escapes from custody before enforcement of the sentence has been completed. In such cases the receiving Party shall make every effort to have the sentenced person arrested so that the sentenced person serves the remainder of his sentence, and that he may be prosecuted for committing an offence under the law of the receiving Party for unlawful escape from custody.
- (2) The receiving Party shall furnish a report concerning the enforcement of the sentence, if so required by the transferring Party.

ARTICLE 15

TRANSIT

- (1) If either Contracting Party has arrangements for the transfer of sentenced persons with any third party or state, the other Contracting Party shall co-operate in facilitating the transit through its territory of the sentenced persons being transferred pursuant to such arrangements.

- (2) The Contracting Party intending to make such a transfer shall give advance notice to the other Contracting Party of such transit.
- (3) A Contracting Party may refuse to permit transit if in the case of the Hong Kong Special Administrative Region, the sentenced person is a permanent resident of the Hong Kong Special Administrative Region or, in the case of the Republic of India, the sentenced person is a national of the Republic of India.
- (4) A Contracting Party may also refuse to permit transit if the transit is prejudicial to, in the case of the Hong Kong Special Administrative Region, the sovereignty, security or any other interest of the People's Republic of China, and, in the case of the Republic of India, the sovereignty, security or any other interest of the Republic of India.

ARTICLE 16

LANGUAGE

Requests and supporting documents shall be in English, or shall be accompanied by a translation into English.

ARTICLE 17

COSTS

Any costs incurred in the application of this Agreement shall be borne by the receiving Party, except for costs incurred exclusively in the jurisdiction of the transferring Party. The receiving Party may, however, seek to recover all or part of the costs of transfer from the sentenced person or from some other source.

ARTICLE 18

SCOPE OF APPLICATION

This Agreement shall be applicable to the enforcement of sentences imposed either before or after the entry into force of this Agreement.

ARTICLE 19

SETTLEMENT OF DISPUTES

- (1) The Central Authorities shall endeavour to mutually resolve any dispute arising out of the interpretation, application or implementation of this Agreement.
- (2) If the Central Authorities are unable to resolve the dispute mutually, it shall be resolved through diplomatic channels.

ARTICLE 20

AMENDMENTS

Any amendments to this Agreement agreed by the Contracting Parties shall come into effect in the same manner as for the entry into force of this Agreement.

ARTICLE 21

FINAL PROVISIONS

- (1) Each Contracting Party shall notify the other Contracting Party in writing as soon as possible upon completion of its internal procedures required for entry into force of this Agreement. This Agreement shall enter into force on the first day of the second month following the date of the second notification.
- (2) This Agreement shall continue to remain in force for an indefinite period. It may, however, be terminated by either of the Contracting Parties by giving written notice to the other Contracting Party of its intention to terminate it. Notwithstanding such notice, this Agreement shall continue to remain in force until six months from the date of such notice.

- (3) Notwithstanding any termination, this Agreement shall continue to apply to the enforcement of sentences of sentenced persons who have been transferred under this Agreement before the date on which such termination takes effect.

In witness whereof, the undersigned, being duly authorised thereto by their respective Governments, have signed this Agreement.

Done in duplicate at .Hong Kong, on the 20th day of January Two thousand and Fifteen in the Chinese, English and Hindi languages, all texts being equally authentic. In case of divergence in interpretation, the English text shall prevail.

FOR THE GOVERNMENT OF THE
REPUBLIC OF INDIA:

Sd/-
Prashant Agrawal
Consul General of India

FOR THE GOVERNMENT OF THE
HONG KONG SPECIAL
ADMINISTRATIVE REGION OF THE
PEOPLE'S REPUBLIC OF CHINA:

Sd/-
Lai Tung-Kwok
Secretary for Security

[F. No. V-17011/1/2006-PR]

KUMAR ALOK, Jt. Secy.